मूल्य/धर्मार्थ : 1 पैसा
(केवल बहाईयों में वितरण हेतु)

बहाई समाचारपत्र

वर्ष : 52 अंक 8 प्रकाशन : प्रत्येक माह की 8 तारीख
अगस्त 2016 बहाई वर्ष : 173

विश्व न्याय मन्दिर

आज दुनिया के युवाओं में समाज को रूपांतरित करने के लिए क्षमताओं का एक विशाल आगार भरा हुआ है जिसे प्रतीक्षा है उपयोग किए जाने की। इस क्षमता को बाहर निकालना प्रत्येक संस्थान द्वारा एक पवित्र दायित्व समझा जाना चाहिए।

–12 दिसम्बर, 2011

तमिलनाडु और मध्यप्रदेश में सहायकों का सम्मेलन सम्पन्न

• सहायक मंडल सदस्यों के सहायकों का एक सम्मेलन 30 जून से 3 जुलाई, 2016 तक आयोजित किया गया। 53 सहायक तमिलनाडु और पुडुचेरी से और 6 सहायक केरल के, इस सम्मेलन में उपस्थित रहे। सम्मेलन में तमिलनाडु और पुडुचेरी के 8 सहायक मंडल सदस्य और केरल के 2 सहायक मंडल सदस्य भी उपस्थित थे। इनके अलावा तमिलनाडु–पुडुचेरी तथा केरल की परिषदों और ट्रेनिंग इंस्टीटयूट बोर्ड के सदस्यों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज़ की। सम्मेलन को सलाहकार ओमिद सिओशानसियान से निरन्तर मार्गदर्शन मिलता रहा।

सम्मेलन के पहले दो दिन मील के पहले पत्थर से दूसरे पत्थर तक की विकास–यात्रा पर चर्चा हुई और विकास के कार्यक्रमों के संचालन पर लोगों ने अपने–अपने अनुभव सुनाये। सम्मेलन के तीसरे दिन विश्व न्याय मंदिर के दो संदेश जो 23 मई 2016 को जारी किये गये थे, उनका अध्ययन किया गया और विशेषकर पायनियरों के सम्बन्ध में चर्चा हुई।

दिव्य योजना की पातियों के सम्बन्ध में मित्रों ने गहराई से विचार किया। मित्रों के बीच इस बात पर प्रसन्नता की लहर दौड़ गई कि पिछली पाँच वर्षीय योजना के दौरान कोई 1500 मित्रों ने 110 देशों से पायनियर के रूप में अपनी सेवा दी।

इस पर भी चर्चा हुई कि किस प्रकार राष्ट्रीय समुदायों की क्षमता का विकास हुआ और जीवंत समुदायों के निर्माण में एक प्रणालीबद्ध प्रक्रिया विकसित की गई।

जब पायनियरों के त्याग की चर्चा चल रही थी तब अनेक आँखें छलछला गईं और पायनियरिंग के इस अवसर का लाभ उठाने के लिये अनेक प्रतिभागी उत्सुक दिखे। इस योजना में प्रावधान है कि कम–से–कम समय, तीन महीने के लिये पायनियर के रूप में सेवा दी जा सकती है। अब्दुल–बहा के इस कथन ने अनेक लोगों को प्रभावित किया, "काश, मैं यात्रा कर पाता, पैदल चलकर, अत्यन्त गरीबी के हालत में इन क्षेत्रों में जा

शेष पृष्ठ 4 पर



सहायकों के सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागी

इस अंक में

इम्फाल में अनुप्रेरकों का सेमिनार

7 से 11 जुलाई, 2016 तक 5 दिनों के एक सेमिनार का आयोजन खंगबोक में किया गया, जिसमें विभिन्न समुदायसमूहों के 34 अनुप्रेरकों ने हिस्सा लिया। 'लर्निंग साइट' के कार्यालय से मार्था अख्तरखावरी, करिश्मा नायर और जयन्तो दास भी इस सेमिनार में उपस्थित रहे।



इम्फाल में आयोजित सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागी

पहले दिन अपने–अपने समुदायों के नक्शे और आंकड़ों के साथ अनुप्रेरकों ने अपने वक्तव्य प्रस्तुत किये और समुदायों की वास्तविक स्थिति से परिचित कराया। साथ ही, अपने–अपने किशोर दलों की गतिविधियों के बारे में बतलाया।

अनुप्रेरकों ने चार दलों में विभक्त होकर क्षेत्र–भ्रमण भी किया। इस क्षेत्र–भ्रमण का उद्देश्य था पुराने अनुप्रेरकों से मिलना और सेवा के इस कार्य में फिर से लग जाने के लिये उन्हें प्रोत्साहित करना।

दूसरे दिन क्षेत्र–भ्रमण की समीक्षा की गई। इस समीक्षा बैठक में किशोरों के माता–पिता को भी आमंत्रित किया गया था। एक पिता ने कहा कि यह बहुत ज़रूरी है कि उनके बच्चे जो पढ़ते हैं उसे कार्य–रूप दिया जाये, उन्हें अपने जीवन में ढालने की आदत उन्हें दिलवाई जाये। कुछ अभिभावकों की शिकायत थी कि स्कूल और घर की पढ़ाई के बाद उनके पास समय ही नहीं बचता कि वे किशोर कार्यक्रमों में भाग ले सकें। कुछ ने यह भी कहा कि स्कूल की पढ़ाई के बाद उन्हें अपने माता–पिता के काम में हाथ बटाने का वक़्त नहीं मिलता। ऐसे लोगों को रूही पुस्तक–5 के अनुसार बतलाया गया कि जीवन की युवावस्था तैयारी के लिये होती है, उनमें साफ–साफ अपनी बातों को कहने की आदत आती है और वे अपने शैक्षिक विकास के साथ– साथ आध्यात्मिक और नैतिक विकास भी कर पाते हैं, वे सही और ग़लत में भेद कर पाते हैं, वे सेवा की प्रेरणा पाते हैं।

दूसरे और तीसरे दिन प्रतिभागी स्थानीय युवाओं से मिले और उन्हें किशोर दलों में शामिल होने के लिये प्रोत्साहित किया।

सेमिनार के चौथे दिन सलाहकार ग्लोरिया जावेद शामिल हुईं, जिनके साथ क्षेत्र–भ्रमण के अनुभव साझा किये गये। पाँचवें दिन कोई 25 युवाओं से भेंट की गई, जिनमें कुछ पुराने अनुप्रेरक भी थे। उनसे समुदाय–निर्माण में युवाओं की भूमिका पर बातचीत हुई। सेवा–योजना के बारे में जब अनुप्रेरकों ने बातें की तो कुछ नये युवा, जो केवल आखिरी दिन ही आ पाये थे, बहुत प्रोत्साहित हुये और किशोर दल में शामिल होने की उन्होंने इच्छा प्रकट की।

समाचारचित्र



मौहाली बहाई समुदाय द्वारा 9 जुलाई, 2016 को महात्मा बाब के शहादत दिवस पर मौहाली बहाई भवन में एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। चंडीगढ़ के कुछ बहाईयों ने भी इसमें अपनी प्रतिभागिता दर्ज की। कार्यक्रम कुछ प्रार्थनाओं के साथ आरम्भ किया गया। सभा के उपाध्यक्ष डॉ. रामस्वरूप ने महात्मा बाब की शहादत और उनके जीवन के बारे में बताया। इस कार्यक्रम में लगभग 50 मित्रों ने भाग लिया।



'एल्डर एण्ड सीनियर केयर' (बैंगलूरू) की संयोजक सुश्री मोना गोपी ने चेरई, पल्लीपुरम के एनएनडीपी हाल में एक कक्षा का संचालन किया। इस कक्षा में 48 वृद्धों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम पल्लीपुरम की स्थानीय आध्यात्मिक सभा, ज्ञानोदया एल्डर्स कमेटी और आंगनवाड़ी नम्बर–37 द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया गया।



नगालैंड के पड़ोसी समुदाय बोकाजान में 14 से 26 जुलाई, 2016 तक एक प्रशिक्षण संस्थान अभियान चलाया गया, जिसमें लाहौरीजान और खटखाटी के विभिन्न क्षेत्रों से 12 प्रतिभागियों ने भाग लिया। युवा सम्मेलन सामग्री और रूही पुस्तक–1 के कुछ विषयों से अभियान की शुरूआत की गई, जो तीसरे दिन समाप्त हो गया। उसके उपरान्त प्रतिभागियों को दो समूहों में–शिक्षक और अनुप्रेरक प्रशिक्षण के लिए बांटा गया। चार प्रतिभागी रूही पुस्तक–5 के लिए थे। इस अवसर पर सहायक मंडल सदस्य श्री धरम राय ने मित्रों के साथ अपने अनुभव साझा किए। प्रतिभागियों ने चल रहे किशोर आध्यात्मिक सशक्तिकरण कार्यक्रम समूह का भ्रमण किया और शाम वापस आकर अपने–अपने अनुभव एक–दूसरे से साझा किए।

समाचारचित्र



स्थानीय आध्यात्मिक सभा कमरहाटी ने 9 जुलाई, 2016 को महात्मा बाब के शहादत दिवस पर कोष संबर्द्धन पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में लगभग 35 अनुयायियों ने भाग लिया। स्थानीय आध्यात्मिक सभा के कोषाध्यक्ष और उनके सहायकों ने कार्यक्रम में मदद की। फ्रैंक की कहानी के साथ पुस्तक–2 से चयनित सामग्री को भी पढ़ा गया। स्थानीय सभा ने लोगों के बीच कोष से संबंधित जागरूकता फैलाने और उसके महत्व के बारे में बताने का निर्णय लिया, ताकि वे ईश्वर के आशीषों से अपने आप को वंचित न कर लें। 28 मित्रों ने कार्यक्रम के बाद स्थानीय कोष में सहयोग देने का वचन दिया।



गोवाहाटी के बहाई भवन में 8 से 10 जुलाई, 2016 तक संस्थागत बैठक का आयोजन किया गया, जिसमें 13 क्लस्टरों से लगभग 40 प्रतिभागियों ने अपनी प्रतिभागिता दर्ज की। सभी मित्रों ने सलाहकार श्री राजन सावंत की बहुउपयोगी अंतर्दृष्टि और मार्गदर्शन का भरपूर लाभ उठाया। इस बैठक ने मित्रों के बीच प्रोत्साहन और उत्साह का वातावरण उत्पन्न किया। परामर्श के दौरान अगले 6 महीनों के लिए योजना बनाई गई, जिसमें 10 क्लस्टरों में संस्थागत अभियान और 382 मित्रों के साथ 17 युवा सम्मेलन आयोजन करने का फैसला किया गया। विश्व न्याय मन्दिर के 23 मई के संदेश का अध्ययन करने के बाद 6 मित्रों ने होमफ्रंट पायनियर के रूप में सेवा देने का वायदा किया।



हाल ही में हुई क्षेत्रीय संस्थागत बैठक में महाराष्ट्र और गोआ के मित्रों ने विश्व न्याय मन्दिर के 23 मई, 2016 के संदेश का अध्ययन किया, जिसमें विश्व न्याय मन्दिर ने मित्रों से होमफ्रंट पायनियर और अंतर्राष्ट्रीय पायनियर के रूप में सेवा देने का आह्वान किया है। उस आह्वान के प्रत्युत्तर में 53 मित्रों ने अपने पड़ोसी समुदायसमूहों में पायनियर के रूप में सेवा देना का निर्णय लिया।

बहाई विवाह

गुजरात के विभिन्न क्लस्टरों में आयोजित बहाई विवाह



सुश्री तेजल गावित और श्री दिनेश एस. पाडवी का विवाह 12 जून, 2016 को आहवा क्लस्टर के नंदनपेडा में सम्पन्न हुआ।



सुश्री संगीता सी. माहला और श्री कमलेश आर. बागुल का विवाह 30 मई, 2016 को गलकुंड क्लस्टर के हेदीपाड़ा में सम्पन्न हुआ।



श्री हरेश आर. खुरकुटिया और सुश्री मनीता एस. पवार का विवाह 4 जून, 2016 को सुबीर क्लस्टर के ज़रन में सम्पन्न हुआ।



श्री रतिलाल एस. बागुल और सुश्री रवीना एस. चोर्या का विवाह 2 जून, 2016 को आहवा क्लस्टर के इसदर में सम्पन्न हुआ।

बहाई विवाह



श्री महेश आर. गावेत और सुश्री रमिला एस. भोये का विवाह 6 जून, 2016 को आहवा क्लस्टर के भिस्या में सम्पन्न हुआ।

अलौली में प्रार्थना सभा का आयोजन

बिहार में अलौली क्लस्टर के अलौली समुदाय में सुश्री आरती कुमारी की विशेष मेज़बानी में 16 युवा, 7 महिला, 30 बहाई बाल कक्षा के प्रतिभागी एवं 8 स्थानीय अभिभावकों के साथ एक विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थनाओं से हुई। सुश्री अर्चना कुमारी द्वारा प्रस्तुत मनोमुग्धकारिणी गीत ''करो प्रार्थना हमें ईश्वर के पास जाना है'' ने माहौल को और ज्यादा भक्तिमय बना दिया। बहाई बाल कक्षा के 13 प्रतिभागियों द्वारा एक लघुयोजनान्तर्गत जिस व्यवस्थित तरीके से गीत, उद्धरण एवं प्रार्थना प्रस्तुत किया वाकई में वह काबिले–तारीफ था। इतना ही नहीं इन बच्चों द्वारा रंग–अबीर से पुष्प का चित्र, कमल मंदिर का चित्र, उद्धरण व प्रवेश–द्वार पर बड़े नायाब तरीके से सुस्वागतम् लिखकर रंगोली एवं अपने कलाकृतियों का भी उमदा प्रदर्शन किया गया जो स्थानीय परिवेश में चार–चाँद लगा रहा था।

प्रार्थना सभा एवं दान की महत्ता पर क्लस्टर विकास सहयोगी श्री सतीश कुमार ने मित्रों को विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उपस्थित स्थानीय अभिभावक श्री मदन भारती ने अपना उद्गार व्यक्त करते हुए कहा कि–हमारे घर पर प्रत्येक माह की 8वीं तिथि को बहाई प्रार्थना सभा का आयोजन किया जाता है तथा प्रार्थना सभा के पूर्व घर, गली, दरवाज़ा, सड़क आदि की गहन साफ–सफाई की जाती है, जिससे लगता है कि मेरे घर में प्रत्येक माह कोई बड़ा उत्सव हो रहा है और इसका प्रभाव पास–पड़ोस के लोगों पर भी देखा जा रहा है कि वे भी अपने घर की साफ–सफाई तथा प्रार्थना सभा में भाग लेने में दिलचस्पी दिखाने लगे हैं। ज्ञात हो कि सम्प्रति, अलौली में 92 नियमित प्रार्थना सभा एवं 4 प्रभातकालीन प्रार्थना सभा हैं, जिसमें क्रमशः 1269 एवं 23 प्रतिभागी शामिल हैं। अलौली क्लस्टर की एक खास विशेषता यह भी है कि यहाँ जन्मोत्सव, विवाहोत्सव के साथ मृत्यु जैसे अवसरों पर भी प्रार्थना सभा का आयोजन किया जाता है। इतना ही नहीं अब अलौली में बहाई या गैर–बहाई कार्यक्रमों की शुरूआत भी बहाई प्रार्थनाओं से होने लगी है, जो समुदाय निर्माण की दिशा में एक शुभ संकेत है।



अलौली में आयोजित प्रार्थना सभा के प्रतिभागी

Regd. No. DELHIN / 1966 / 04204
New Delhi P.S.O.
Delhi Postal Regd No. DL (ND) 11/6036/2015-16-17
Licensed to post without pre-payment No. U (C)-52/2015-16-17

तमिलनाडु और मध्यप्रदेश में सहायकों का सम्मेलन सम्पन्न

पृष्ठ 1 का शेष

पाता और नगरों, गाँवों, पर्वतों, रेगिस्तानों और समुद्रों में 'या–बहा–उल–आभा' का जयघोष कर दिव्य शिक्षाओं का प्रसार कर पाता। अफ़सोस, यह मैं नहीं कर सकता, इसका मुझे कितना गहरा दुःख है। ईश्वर करे, तुम यह कर पाओ।"

सहायको के एक सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में सेवा दे रहे सहायक मण्डल सदस्यगण एवं उनके सहायक, क्षेत्रीय बहाई परिषद के सदस्यगण, संस्थान मण्डल, स्थानीय आध्यात्मिक सभा इन्दौर एवं क्लस्टर स्तर की संस्थाओं



इंदौर में आयोजित सहायकों के सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागी

परिषद ने उन लोगों से बातें कीं जिन्होंने पायनियर के रूप में अपनी सेवा देने का संकल्प लिया है। ऐसे लोगों की तलाश भी शुरू हो चुकी है जो इन सम्भावित पायनियरों की मदद और मार्गदर्शन कर सकते हैं। पायनियरों के प्रशिक्षण के लिये सामग्रियों का संकलन भी किया जा रहा है।

• 14 से 17 जुलाई 2016 को मध्यप्रदेश में बहाई भवन इन्दौर में भी सहायक मण्डल सदस्यों के को मिलाकर पूरे क्षेत्र से 66 से भी अधिक मित्रों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में सलाहकार श्री ओमिद सिओशानसिआन भी उपस्थित रहे एवं उनके मार्गदर्शन में विश्व न्याय मंदिर के प्रपत्रों का अध्ययन किया गया।

इस सहायक सम्मेलन में 23 मई 2016 के प्रपत्रों का अध्ययन कर पूरे क्षेत्र से शामिल हुए मित्रों में से 45 मित्र पायनियर की सेवा करने के लिए उठ खड़े हुए।

निवेदन

मित्रों, अपने समुदायसमूह में होने वाली मूल गतिविधियों की रिपोर्ट तथा प्रेरणादायक घटनायें फोटोग्राफ के साथ हमें समय–समय पर भेजते रहें, जिससे की हम उन्हें अपने बहाई समाचारपत्र/बहाई न्यूज में प्रकाशित कर सकें।

धन्यवाद !

बहाई अकादमी में सम्मेलन

व्यापक मानवीय मूल्यों से सम्बन्धित एक सम्मेलन का आयोजन बहाई अकादमी, पंचगणी के प्रांगण में 11 और 12 जून को किया गया। जिसमें 14 भारतीय विश्वविद्यालयों के कोई 230 से किया गया। सम्मेलन में कुल 90 प्रस्तुतियां आईं।

शिवाजी विश्वविद्यालय के उप–कुलपति प्रोफेसर डी. बी. शिन्दे ने बहाई अकादमी के नये प्रकाशन 'एजुकेशन इन एक्शन' का विमोचन



बहाई अकादमी में आयोजित सम्मेलन में भाग लेने वाले प्रतिभागी

प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। 8 अन्य देशों से आये प्रतिभागियों ने भी अपने प्रपत्र प्रस्तुत किये। सम्मेलन का आयोजन शिवाजी विश्वविद्यालय के शिक्षा प्रभाग तथा इंटरनैशनल इंस्टीटयूट फॉर ऑरगेनाइजेशनल साइकोलॉजिकल मेडिसिन, आस्ट्रेलिया के सहयोग किया, जो बहाई अकादमी के एक अथवा अधिक 'मोड्यूल' को पूरा करने के बाद की सेवा की गतिविधियों का ब्यौरा प्रस्तुत करता है। प्रत्येक ब्यौरा व्यावहारिक अनुभव की कथा कहता है जो अनुभव उन छात्रों ने प्रोजेक्ट के दौरान प्राप्त किये।

● निधन

डॉ. देबेन्द्र नाथ आद्या

हमें यह बताते हुए अत्यंत दुःख हो रहा है कि बहाई धर्म के मौन



समर्थक डॉ. देबेन्द्र नाथ आद्या का निधन 5 जुलाई, 2016 को हो गया। वे 56 वर्ष के थे। डॉ. आद्या ने हमेशा अपनी पत्नी पुतुल आद्या को बहाई गतिविधियों को संचालित करने में सहायता की। शांत स्वभाव और सौम्य व्यक्तित्व वाले डॉ. आद्या ने बहाई गतिविधियों के विकास में सदैव सहायता दी। उनके घर का दरवाजा हमेशा बहाई गतिविधियों के लिये खुला रहता था।

उनकी स्मृति में 17 जुलाई को गुड़गांव के बहाई केन्द्र में एक प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवा बहाई और उनके माता–पिता शामिल हुये।

डॉ. आद्या हरियाणा के पहले बहाई थे जिनका अंतिम संस्कार दिल्ली के बहाई गुलिस्तान में किया गया। इस संकट की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी सहानुभूति व्यक्त करते हुए आभा लोक में उनकी आत्मा की प्रगति के लिए प्रार्थनारत हैं।

कुल पृष्ठ संख्या–4

बहाई समाचारपत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित फार्म – 4, नियम 8

समाचार का नाम : बहाई समाचारपत्र
रजि नं. : DELHIN / 1966 / 4204 यू नं. (C)-52/2015-16-17
डी.एल. DL (ND) 11/6036/2015-16-17
प्रकाशक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
(बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1)
प्रकाशन स्थान : बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1

मुद्रक का नाम : सुशील कुमार (भारतीय)
बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–1
मुद्रण स्थान : डोरा ऑफसेट, सी–54, ओखला इंडस्ट्रीयल इस्टेट, फेज़–1, नई दिल्ली–20
उन व्यक्तियों के नाम जो समाचारपत्र स्वामी हों : राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा को इसका स्वामित्व प्राप्त है, जो सोसायटीज़ एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है।

Licenced to post without Pre-Payment Posted at CPSO New Delhi on 10/11.08. 2016
Sender's Address:
6, Shrimant Madhavrao Scindia Marg.
New Delhi - 110 001 - INDIA

स्वामी, भारत के बहाईयों की राष्ट्रीय आध्यात्मिक सभा, जो सोसायटीज एक्ट के अंतर्गत पंजीकृत है, के लिए प्रकाशक, मुद्रक : सुशील कुमार के द्वारा डोरा ऑफसेट, सी–54, ओखला इंडस्ट्रीयल इस्टेट, फेज़–1, नई दिल्ली–110 020 से मुद्रित एवं बहाई भवन, 6 श्रीमंत माधव राव सिंधिया मार्ग, नई दिल्ली–110 001 से प्रकाशित (सम्पादक : सुशील कमार)